उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास **(Assignment)** **2015-2016**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : वैदिक वाङ्मय, **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-01**

Course Title :Vaidik Vangmay **Course Code: MAST-01**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

1. निम्नलिखित मन्त्रों का हिन्दी में अनुवाद करें –
   (क) आकृष्णेन् रजस्ा वर्तमानो निवे्शेयन्न्मृतं मर्त्यं च।
   हि्र्ण्ययेन सवि्ता रथे्ना दे्वो यांति भुवंनानि पश्येन्।।

   (ख) इन्द्रों या्तोऽवेसितस्य राजो् शमेस्य शृङि्गणों वज्रेबाहुः।
   सेदु राजां क्षयति चर्षणीनाम्रान्न ने्मि परि् ता बेभूव।।

   (ग) अर्यमर्ण वरूणं मित्रमेंषामिन्द्रामिन्द्राविष्णूं मरूतों अश्विनोत।
   स्वश्नों अग्नें सुरथेः सुराध्ा एदु वह सुह्विषे् जनोय।

2. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए –
   (क) भाव प्रधानमाख्यातं सत्व प्रधानानि नामनि।
   (ख) नामख्यातयोस्तु कर्मोपसंयोगद्योतका भवन्ति।

3. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या करें –
   (क) यदि मन्य से सुवेदेति दरहमेवापिनूनम्। त्वं वेत्थ ब्रह्मणो रूपं चहस्य त्वं चहस्य च देवेष्वथनु मीमांस्यमेव ते मन्त्र विदितम्।
   (ख) तद्यन्येतानि चत्वारि पदजातानि नामाख्याते चोपसर्ग निपातश्च तानीमनि भवन्ति।

खण्ड ब

अधिकतम अंक : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. आरण्यक क्या हैं। ऋग्वेद के आरण्यकों का संक्षिप्त परिचय दें।
5. वेदोङ्गों का सामान्य परिचय दें।
6. बृहदारण्यकोपनिषद् का सम्बन्ध किस वेद से है तथा इसका सामान्य परिचय दीजिए।
7. विश्वामित्र–नदी संवाद सूक्त का सारांश लिखिए।
8. वेदों के महत्व पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।
9. स्वरों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2015-2016**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : पालि, प्राकृत, अप्रभंश एवं भाषा विज्ञान **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-02**

Course Title : **Course Code: MAST-02**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक	: 18
Maximum Marks:	18

1. भाषा विज्ञान को परिभाषित करते हुए उसके मुख्य अंगों पर प्रकाश डालिए। 6
2. ध्वनि परिवर्तन के प्रमुख कारणों पर प्रकाश डालिए। 6
3. 'पालि' को स्पष्ट करते हुए पालि की भाषागत विशेषताओं का निरूपण कीजिए।

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक	: 12
Maximum Marks:	12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All questions are compulsory.

4. संस्कृत छाया लिखिये - 2
   न जटाहि न गोत्तेन न जच्चा होति ब्राह्मणो ।
   यम्हि सच्चं च धम्मो च सो सुची सो च ब्राह्मणो ।।
5. हिन्दी अनुवाद लिखिए - 2
   पुत्ते जाएँ कवणु गुणु अवगुणु कवणु मुएण ।
   झा बप्पीकी भुंहडी चम्पिज्जइ अवरेण ।।
6. ''बावेरुजातकं'' की कथा वस्तु लिखिए । 2
7. शिलालेखी प्राकृत पर टिप्पणी लिखिए। 2
8. यास्क का भाषाशास्त्रीय वैशिष्टय निरूपित कीजिए। 2
9. अपभ्रंश की सामान्यगत विशेषताओं का निरूपण कीजिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment)

2015-2016

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत | **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**
Subject : Sanskrit | **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : व्याकरण तथा अलंकार, | **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-03**
Course Title : | **Course Code: MAST-03**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक	: 18
Maximum Marks:	18

1. निम्नलिखित पदों की रूप सिद्धि स्पष्ट कीजियें –
   (क) रामेण (ख) रमायै (ग) इमौ
2. निम्नलिखित पदों की साधनिका स्पष्ट कीजिये –
   (क) सर्वे (ख) रमाः (ग) अहोभ्याम्
3. काव्य प्रकाश में प्रस्तुत अनुप्रास अलंकार का लक्षण स्पष्ट करते हुएए इसके भेदों का सोदारण उल्लेख कीजिये।

खण्ड ब

अधिकतम अंक : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. 'भवतः' पद की रूप सिद्धि स्पष्ट कीजिये।
5. निम्नलिखित पदों में प्रकृति प्रत्यय विभक्त कीजिये।
   (क) चेयम् (ख) शिष्यः (ग) स्त्रैणः (घ) गार्ग्यः
6. स्मास किसे कहते हैं। अव्ययी भाव का लक्षण उदाहरण दीजिये।
7. मम्मट के अनुसार रूपक अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिये।
8. भू धातु के लड0लकार के रूप लिखिये।
9. श्लेष अलंकार का लक्षण एवं उदाहरा लिखिये।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2015-2016

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : दर्शन– **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-04**

Course Title : **Course Code: MAST-04(O)/ MAST-06(N)**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक	: 18
Maximum Marks:	18

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए - 6

(1) असदकरणादुपादानग्रहणात्
सर्वसम्भवाभावात् ।
शक्तस्य शक्यकरणात्
कारणभावाच्च सत्कार्यम् ।।

(2) संघातपरार्थत्वात् त्रिगुणादि -
विपर्ययादधिष्ठानात् ।
पुरुषोऽस्ति मोक्तृभावात्
कैवल्यार्थं प्रवृत्तेश्च ।।

2. प्रत्यक्ष प्रमाण तथा उसके सहकारिभूत षड्विध सन्निकर्षों का निरूपण कीजिए। 6

3. वेदान्तसार के अनुसार अधिकारी का लक्षण एवं स्वरूप निरूपण कीजिए। 6

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक	: 12
Maximum Marks:	12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All questions are compulsory.

4. 'तद्विपरीतःश्रेयान् व्यक्ताव्यक्तज्ञविज्ञानात् ' को समझाइयें । 2

5. सांख्य दर्शन के अनुसार गुणत्रय का स्वरूप समझाइये।

6. 'तज्जन्यस्तज्जन्यजनकोऽवान्तरव्यापारः' का आशय स्पष्ट कीजिए।

7. स्वार्थानुमान एवं परार्थानुमान का अन्तर स्पष्ट कीजिए। 2

8. अद्वैत वेदान्त दर्शन को अभिमत सृष्टि प्रक्रिया समझाइयें 2

9. 'तदा द्रष्टुः स्वरूपेऽवस्थानम् ' का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2015-2016

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : नाटक **कोर्स कोड : म.ए.एस.टी-05**

Course Title : **Course Code: MAST-05(O)/ MAST-07(N)**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक	: 18
Maximum Marks:	18

1. (क) यासां बलिः सपदि मद्गृहदेहलीना, हंसैश्च सारसगर्णश्च विलुप्तपूर्वः।
तास्वेव संप्रति विरूद्धतृणाङ्कुरासु, बीजाञजलिः पतति कीटमुखावलीडः।।

(ख) दरिद्रयान्मरणाढा मरर्ण मम रोचते न दरिद्रयम्।
अल्पक्लेशं मरणं दारिद्रयमनन्तकं दुःखम्।।

(ग) यदा तुभग्यक्षयपीडितां दशां, नरः कृतान्तोपहितां प्रपद्यते।
तदास्य मित्राण्यपि यान्त्यमित्रतां चिरानुरक्तोऽपि रिजज्यते जनः।।

2. मृच्छकटिक के आधार पर बसन्तसेना का चरित्र–चित्रण कीजिए।
3. मृच्छकटिक का काल–निर्धारण करते हुए तत्कालीन सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डालिए।

खण्ड ब अधिकतम

अंक : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. नाटक तथा प्रकरण में भेद स्पष्ट करते हुए सिद्ध कीजिए कि मृच्छकटिक नाटक है या प्रकरण।
5. महाकवि शूदूक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
6. 'शकार' का मृच्छकटिक के आधार पर चरित्र–चित्रण कीजिए।
7. जनान्तिक एवं अपवारित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
8. लिम्पतीव तमोऽङगननि वर्षतीवाञजनं नभः।
असत्पुरूषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता।। –
इस श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।
9. नायक कितने प्रकार के होते हैं? मृच्छकटिक का नायक किस प्रकार का नायक है?

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2015-2016

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : काव्य **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-06**

Course Title : Course Code: MAST-06(O)/ MAST-08(N)

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक	: 18
Maximum Marks:	18

1. ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए - 6

अनल्पदग्धारिपुरानलोज्ज्वलै -
र्निजप्रतापैर्वलयं ज्वलद् भुवः ।
प्रदक्षिणीकृत्य जयाय सृष्टया
व्राज नीराजनया स राजघः ।।

अथवा

पिकाद् वने श्रृण्वति भृङ्गहुङ्कृतै -
र्दशामुदञ्चत् करुणे वियोगिनाम्
अनास्थया सूनकरप्रसारिणीं
ददर्श दूनः स्थलपद्मिनीं नलः ।।

2. ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए - 6

अनभ्रवृष्टिः श्रवणामृतस्य
सरस्वती - विभ्रम-जन्मभूमिः ।
वैदर्भरीतिः कृतिनामुदेति
सौभाग्य-लाभ-प्रतिभूः पदानाम् ।।

अथवा

लङ्कापतेः सङ्कुचितं यशो यद्
यत् कीर्तिपात्रं रघुराज पुत्रः ।
स सर्व एवादिकवेः प्रभावो
न कोपनीयाः कवयः क्षितीन्द्रैः ।।

3. ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए ' 6

कदलीदल-कुञ्जायितस्य एतत्कुटीरस्य समन्तात् पुष्पवाटिका, पूर्वतः परम-पवित्र-पानीयं परस्सहस्र- पुण्डरीक-पटल-परिलसितं पतत्रि-कुल-कूजित-पूजितं पयःपूरितं सर आसीत् । दक्षिणतश्चैको निर्झर - झर्झर - ध्वनि-ध्वनित-दिगन्तरः, फल-पटलाऽऽस्वाद - चपलित-चञ्चु-पतङ्ग - कुलाऽऽक्रमणाधिक- विनत-शाख-शाखि- समूहव्याप्तः सुन्दरकनदरः पर्वतखण्ड आसीत् ।

अथवा

अद्य तु तत्तीर्थस्य नामापि केनापि न स्मर्यते; परं तत्समये तु लोकोत्तरं तस्य वैभवमासीत । तत्र हि महार्हवैदूर्य - पद्मराग - माणिक्य - मुक्ताफलादि- जटितानि कपाटानि, स्तम्भान् गृहावग्रहणीः, भित्तीः, वलभीः विटङ्कानि च निर्मथ्य, रत्ननिचयमादाय, शतद्वय - मणसुवर्ण-शृंङखला-वलम्बिनीं चञ्चच्चाकचक्य - चकितीर्वृता-वलोचक-लोचन-निचयां मृहाघण्टां प्रसह्य संगृह्य महादेवमूर्तावपि गदामतूतुलत् ।

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक	: 12
Maximum Marks:	12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All questions are compulsory.

4. नैषधीयचरित काव्य में अलङ्कार -प्रयोग- वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 2

5. नैषध महाकाव्य में विरह-वर्णन वैशिष्टय पर टिप्पणी लिखिए। 2

6. कविवर बिल्हण द्वारा की गई 'कविप्रशंसा' पर प्रकाश डालिए। 2

7. विक्रमाङ्कदेवचरित काव्य की साहित्यिक महत्ता का निरूपण कीजिए। 2

8. शिवराजविजय में प्रयुक्त गद्य के लालित्य का विवेचन कीजिए। 2

9. शिवराज विजय में ऐतिहासिकता एवं कल्पनाशीलता के प्रयोग पर प्रकाश डालिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2015-2016

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-07**

Course Title : **Course Code: MAST-07(O)/ MAST-04(N)**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक	: 18
Maximum Marks:	18

1. आचार्य मम्मट प्रतिपादित काव्य-प्रयोजन की विशद व्याख्या कीजिए। 6
2. 'कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे' इस कारिकांश की विशद व्याख्या कीजिए। 6
3. 'अभिहितान्वयवाद' के प्रतिपादक का उल्लेख करते हुए उनकी अवधारणा स्पष्ट करें। 6

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक	: 12
Maximum Marks:	12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All questions are compulsory.

4. आचार्य मम्मट द्वारा प्रतिपादित काव्य लक्षण की समीक्षा कीजिए। 2
5. ''स मुख्योडर्थस्तत्र मुख्यो व्यापारोऽस्याभिधोच्यते' की व्याख्या कीजिए। 2
6. आचार्य मम्मट द्वारा प्रतिपादित मध्यम काव्य को उदाहरणपूर्वक स्पष्ट कीजिए।
7. अधोलिखित कारिका की व्याख्या कीजिए। 2

   यस्य प्रतीतिमाधातु लक्षणा समुपास्यते ।
   फले शब्दैकगम्येऽत्र व्यञ्जनान्नापरा क्रिया ।।
8. आर्थी व्यञ्जना के स्वरूप को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 2
9. रसनिष्पन्ति विषयक आचार्य भट्टलोल्लट के उत्पत्तिवाद की व्याख्या कीजिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) 2015-2016

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : नाट्य एवं नाट्यशास्त्र **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-08**

Course Title : **Course Code: MAST-08(O)/ MAST-05(N)**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक	: 18
Maximum Marks:	18

1. वेणी संहार नाटक के कथानक की नाट्यशास्त्रीय दृष्टि से समीक्षा कीजिए। 6
2. रत्नावली में विस्तार पूर्वक रसविवेचन कीजिए। 6
3. दशरूपक के आधार पर अर्थ-प्रकृतियों का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए। 6

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक	: 12
Maximum Marks:	12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All questions are compulsory.

4. दशरूपक के अनुसार 'प्रकरण' पर प्रकाश डालिये।
5. दशरूपक के अनुसार 'चूलिका' का लक्षण लिखिये। 2
6. रत्नावली के आधार पर 'उदयन' का चरित्र-चित्रण कीजिये।
7. वेणी संहार के प्रमुख 'रस' पर प्रकाश डालिये। 2
8. निम्नलिखित श्लोक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2

यातोऽस्मि पद्मनयने समयो ममैव ।
सुप्ता मयैव भवती प्रतिबोधनीया ।
'प्रत्यायनामयमितीव सरोरूहिण्या'
सूर्योऽस्तमस्तक निविष्टकरः करोति ।।

9. निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिये। 2

शूतो वा सूतपुत्रो वा
यो वा को वा भवाभ्यहम् ।
दैवायत्तं कुले जन्म
मदायत्तं तु पौरुषम् ।।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2015-2016**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत **विषय कोड : एम.ए.एस.टी**

Subject : Sanskrit **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास **कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-09**

Course Title **Course Code: MAST-09**

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks:	30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक	: 18
Maximum Marks:	18

1. रामायण के रचनाकाल का निर्धारण कीजिए। 6

2. महाभारत के सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालिए। 6

3. खण्ड-काव्य का लक्षण संक्षेप में वर्णित कीजिए। 6

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक	: 12
Maximum Marks:	12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

Note: Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All questions are compulsory.

4. कथा एवं आख्यायिका के मध्य भेद स्पष्ट कीजिए। 2

5. 'भारवेंरर्थगौरवम् ' - की समीक्षा कीजिए। 2

6. बाणभट्ट की गद्य-शैली पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 2

7. त्रिविक्रमभट्ट के जीवन वृत्त एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 2

8. 'परोपकारः' पर संस्कृत में संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। 2

9. भट्टकवि भास की काव्य शैली की विशेषताओं को बताइये। 2